NEWS CLIPPING:10.10.2023

THE IMPRESSIVE TIMES

JC BOSE UNIVERSITY JOINS HAND WITH IIAF FOR INDUSTRY RELATED CONSULTANCY PROJECTS

FARIDABAD(TIT NEWS): J.C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad, has taken a significant stride towards strengthening the ties between academia and industry by entering into a Memorandum of Understanding (MoU) with IMT Industries Association Faridabad (IIAF). This partnership aims to facilitate collaborative consultancy projects and research initiatives, with a focus on delivering innovative technical solutions to address real-world industry challenges. IIAF, which serves as the representative body of member industries in IMT Faridabad and the surrounding areas, will work closely with JC Bose University to bridge the gap between academic knowledge and industry needs. The MoU was officially signed by Dr. Meha Sharma, Registrar of JC Bose University, and Mr. Parmod Rana, President of IIAF. Several individuals, including Dr. Maneesha Garg, Director (R&D); Deputy Director Dr. Rajeev Saha, Dr. Rashmi Popli, Incharge of Collaboration and Industry Linkage; Prof. Atul Mishra, Chairperson of the Computer Engineering Department; and Ms. Rashmi Singh, General Secretary of IIAF were present on this occasion. Vice-Chancellor Prof. Sushil Kumar Tomar expressed his enthusiasm for this partnership, highlighting the paramount importance of aligning academic learning with the dynamic needs of industry.

NEWS CLIPPING:10.10.2023

PUNJAB KESARI

जेसी बोस विश्वविद्यालय देगा औद्योगिक समस्याओं के तकनीकी समाधान

फरीदाबाद, 9 अक्तूबर (पूजा): अकादमिक एवं औद्योगिक संबंधों को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद ने आईएमटी इंडस्ट्रीज एसोसिएशन फरीदाबाद (आईआईएएफ) के साथ समझौता किया है। इस साझेदारी का उद्देश्य औद्योगिक चुनौतियों के लिए नवीन तकनीकी समाधान प्रदान करने के साथ-साथ सहयोगात्मक कंसल्टेंसी और शोध परियोजनाओं को सुविधाजनक बनाना है।

आईआईएएफ, जो आईएमटी फरीदाबाद और आसपास के क्षेत्रों में सदस्य उद्योगों के प्रतिनिधि निकाय के रूप में कार्य करता है, अकादमिक ज्ञान और उद्योग की जरूरतों के बीच अंतर को कम करने के लिए जे.सी. बोस विश्वविद्यालय के साथ मिलकर काम करेगा। समझौता ज्ञापन पर जे.सी. बोस विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. मेहा शर्मा और

समझौते का आदान-प्रदान करते हुए कुलसचिव डॉ. मेहा शर्मा तथा आईआईएएफ के अध्यक्ष प्रमोद राणा।

आईआईएएफ के अध्यक्ष प्रमोद राणा ने हस्ताक्षर किए।

इस अवसर पर डॉ. मनीषा गर्ग, निदेशक (आरएंडडी), उपनिदेशक डॉ. राजीव साहा, कंप्यूटर इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष प्रो. अतुल मिश्रा, सहभागिता एवं उद्योग संपर्क मामलों की प्रभारी डॉ. रश्मी पोपली और आईआईएएफ की महासचिव रश्मी सिंह उपस्थित थीं। औद्योगिक जरूरतों के अनुरूप अकादमिक शिक्षा को प्रोत्साहित करने के महत्व पर बल देते हुए कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर ने कहा कि तेजी से बदल रही प्रौद्योगिकी के युग में यह जरूरी है कि छात्रों को उद्योग की जरूरतों के अनुरूप व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हो। उन्होंने समझौते के क्रियान्वयन पर बल देते हुए कहा कि इस साझेदारी से छात्रों तथा संकाय सदस्यों को औद्योगिक चुनौतियों पर काम करने का अवसर मिलेगा और उनका कौशल विकास होगा। आईआईएएफ के अध्यक्ष प्रमोद राणा ने कहा कि जे.सी. बोस विश्वविद्यालय और आईआईएएफ के बीच साझेदारी शिक्षा और उद्योग दोनों के लिए महत्वपूर्ण है।

J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad

(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009

SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

NEWS CLIPPING:10.10.2023

PIONEER

जेसी बोस विश्वविद्यालय देगा औद्योगिक समस्याओं के तकनीकी समाधान

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

अकादमिक एवं औद्योगिक संबंधों को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद ने आईएमटी इंडस्ट्रीज एसोसिएशन फरीदाबाद के साथ समझौता किया है। इस साझेदारी का उद्देश्य औद्योगिक चुनौतियों के लिए नवीन तकनीकी समाधान प्रदान करने के साथ-साथ सहयोगात्मक कंसल्टेंसी और शोध परियोजनाओं को सुविधाजनक बनाना है।

आईएमटी इंडस्ट्रीज एसोसिएशन फरीदाबाद के साथ किया समझौता

आईआईएएफ, जो आईएमटी फरीदाबाद और आसपास के क्षेत्रों में सदस्य उद्योगों के प्रतिनिधि निकाय के रूप में कार्य करता है, अकादमिक ज्ञान और उद्योग की जरूरतों के बीच अंतर को कम करने के लिए जेसी बोस विश्वविद्यालय के साथ मिलकर काम करेगा। समझौता ज्ञापन पर जेसी बोस विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. मेहा शर्मा और आईआईएएफ के अध्यक्ष प्रमोद राणा ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर डॉ. मनीषा गर्ग, निदेशक (आरएंडडी), उपनिदेशक डॉ. राजीव साहा, कंप्यूटर इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष प्रो. अतुल मिश्रा, सहभागिता एवं उद्योग संपर्क मामलों की प्रभारी डॉ. रश्मी पोपली और आईआईएएफ की महासचिव रश्मी सिंह उपस्थित थीं।

औद्योगिक जरूरतों के अनुरूप अकादमिक शिक्षा को प्रोत्साहित करने के महत्व पर बल देते हुए कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर ने कहा कि तेजी से बदल रही प्रौद्योगिकी के युग में यह जरूरी है कि छात्रों को उद्योग की जरूरतों के अनुरूप व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हो। उन्होंने समझौते के क्रियान्वयन पर बल देते हुए कहा कि इस साझेदारी से छात्रों तथा संकाय सदस्यों को औद्योगिक चुनौतियों पर काम करने का अवसर मिलेगा और उनका कौशल विकास होगा। आईआईएएफ के अध्यक्ष प्रमोद राणा ने कहा कि जेसी बोस विश्वविद्यालय और आईआईएएफ के बीच साझेदारी शिक्षा और उद्योग दोनों के लिए महत्वपूर्ण है। इससे शैक्षणिक विशेषज्ञता का लाभ उद्योग क्षेत्र को मिलेगा। समझौते के माध्यम से नवाचार, अनुसंधान और ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा मिलेगा, जिससे औद्योगिक क्षेत्र लाभान्वित होगा।

J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
(formerly YMCA University of Science and Technology)
A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006
Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

NEWS CLIPPING:10.10.2023

REPCO NEWS

जे.सी. बोस विश्वविद्यालय देगा औद्योगिक समस्याओं के तकनीकी समाधान

फरीदाबाद, 9 अक्तूबर (रेपको न्यूज)। अकादमिक एवं औद्योगिक संबंधों को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद ने आईएमटी इंडस्ट्रीज एसोसिएशन फरीदाबाद (आईआईएएफ) के साथ समझौता किया है। इस साझेदारी का उद्देश्य औद्योगिक चुनौतियों के लिए नवीन तकनीकी समाधान प्रदान करने के साथ-साथ सहयोगात्मक कंसल्टेंसी और शोध परियोजनाओं को सुविधाजनक बनाना है।

आईआईएएफ, जो आईएमटी फरीदाबाद और आसपास के क्षेत्रों में सदस्य उद्योगों के प्रतिनिधि निकाय के रूप में कार्य करता है, अकादमिक ज्ञान और उद्योग की जरूरतों के बीच अंतर को कम करने के लिए जे.सी. बोस विश्वविद्यालय के साथ मिलकर काम करेगा। समझौता ज्ञापन पर जे.सी. बोस विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. मेहा शर्मा और आईआईएएफ के अध्यक्ष प्रमोद राणा ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर डॉ. मनीषा गर्ग, निदेशक (आरएंडडी), उपनिदेशक डॉ. राजीव साहा, कंप्यूटर इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष प्रो. अतुल मिश्रा, सहभागिता एवं उद्योग संपर्क मामलों की प्रभारी डॉ. रश्मी पोपली और आईआईएएफ की महासचिव रश्मी सिंह उपस्थित थीं।

औद्योगिक जरूरतों के अनुरूप अकादमिक शिक्षा को प्रोत्साहित करने के महत्व पर बल देते हुए कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर ने कहा कि तेजी से बदल रही प्रौद्योगिकी के युग में यह जरूरी है कि छात्रों को उद्योग की जरूरतों के अनुरूप व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हो। उन्होंने समझौते के क्रियान्वयन पर बल देते हुए कहा कि इस साझेदारी से छात्रों तथा संकाय सदस्यों को औद्योगिक चुनौतियों पर काम करने का अवसर मिलेगा और उनका कौशल विकास होगा। आईआईएएफ के अध्यक्ष प्रमोद राणा ने कहा कि जे.सी. बोस विश्वविद्यालय और आईआईएएफ के बीच साझेदारी शिक्षा और उद्योग दोनों के लिए महत्वपूर्ण है। इससे शैक्षणिक विशेषज्ञता का लाभ उद्योग क्षेत्र को मिलेगा। समझौते के माध्यम से नवाचार, अनुसंधान और ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा मिलेगा, जिससे औद्योगिक क्षेत्र लाभान्वित होगा।

NEWS CLIPPING:10.10.2023

REPCO NEWS

जे.सी. बोस विश्वविद्यालय में ऑटोमोबाइल में सेंसर्स के अनुप्रयोग पर कार्यशाला का आयोजन

फरीदाबाद, 9 अक्तूबर (रेपको न्यूज)। जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के रॉयल एनफील्ड प्रशिक्षण केंद्र ने ऑटोमोबाइल में सेंसर्स के अनुप्रयोग पर पूर्व शिक्षण मान्यता (आरपीएल) कार्यक्रम के तहत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।यह कार्यक्रम स्नातकोत्तर (पीजी) छात्रों और अनुसंधान विद्वानों के लिए आयोजित किया गया था, जिसका उद्देश्य ऑटोमोटिव सेंसर प्रौद्योगिकी की दुनिया में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करना था।

कार्यशाला में लांबा रबर केमिकल्स के सीईओ श्री महेश लांबा मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता रहे। श्री लांबा का संबोधन उद्यमिता कौशल के महत्व पर केन्द्रित रहा। उन्होंने छात्रों के साथ उपयोगी जानकारी साझा की। इस अवसर पर डीन (संस्थान) प्रो. संदीप ग्रोवर,, डीन (एफईटी) प्रो. राज कुमार, मैकेनिकल इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष प्रो. अरविंद गुप्ता, इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष प्रो. प्रदीप डिमरी, प्रो. तिलक राज और प्रो. हरिओम उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान, प्रो. संदीप ग्रोवर ने प्रतिभागियों को आधुनिक ऑटोमोबाइल प्रौद्योगिकियों में सेंसर्स के व्यावहारिक अनुप्रयोगों पर जानकारी प्रदान की तथा ऑटोमोटिव उद्योग में उपयोग किए जाने वाले सेंसर सिस्टम के बारे में विस्तार से बताया। इससे पहले आरपीएल कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. प्रीत कौर ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और कार्यशाला के उद्देश्यों का अवलोकन प्रदान किया। रॉयल एनफील्ड ट्रेनिंग सेंटर के समन्वयक डॉ. भूपिंदर यादव ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए मुख्य अतिथि, वक्ताओं तथा प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
(formerly YMCA University of Science and Technology)
A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006
Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

NEWS CLIPPING:10.10.2023

HINDUSTAN

विद्यार्थियों को उद्योग के लिए तैयार किया जाएगा

फरीदाबाद, वरिष्ठ संवाददाता। जेसी बोस विश्वविद्यालय ने आईएमटी इंडस्ट्रीज एसोसिएशन फरीदाबाद (आईआईएएफ) के साथ समझौता किया है। इस साझेदारी का उद्देश्य औद्योगिक चुनौतियों के लिए नवीन तकनीकी समाधान प्रदान करने के साथ शोध परियोजनाओं को सुविधाजनक बनाना है।

आईआईएएफ अकादमिक ज्ञान और उद्योग की जरूरतों के बीच अंतर को कम करने के लिए जेसी बोस विश्वविद्यालय के साथ मिलकर काम करेगा। समझौता ज्ञापन पर जेसी बोस विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. मेहा शर्मा और आईआईएएफ के अध्यक्ष प्रमोद राणा ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर डॉ. मनीषा गर्ग, निदेशक (आरएंडडी), उपनिदेशक डॉ. राजीव साहा, कंप्यूटर इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष प्रो. अतुल मिश्रा, सहभागिता एवं उद्योग संपर्क मामलों की प्रभारी डॉ. रश्मी पोपली और आईआईएएफ की महासचिव रश्मी सिंह उपस्थित थीं। औद्योगिक जरूरतों के अनुरूप अकादमिक शिक्षा को प्रोत्साहित करने के महत्व पर बल देते हुए कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर ने कहा कि बदल रही प्रौद्योगिकी के युग में यह जरूरी है कि छात्रों को उद्योग की जरूरतों के अनुरूप व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हो। उन्होंने कहा कि इस साझेदारी से छात्रों तथा संकाय सदस्यों को औद्योगिक चुनौतियों पर काम करने का अवसर मिलेगा और उनका कौशल विकास होगा।

NEWS CLIPPING:10.10.2023

NAVBHARAT TIMES

यूनिवर्सिटी ने असोसिएशन के साथ किया MOU

एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद : जेसी यूनिवर्सिटी ने IMT इंडस्ट्रीज असोसिएशन फरीदाबाद के साथ समझौता किया। इसका उद्देश्य चुनौतियों के लिए नई तकनीकी समाधान प्रदान करने के साथ सहयोगात्मक कंसल्टेंसी व शोध परियोजनाओं को सुविधाजनक बनाना है। असोसिएशन अकादमिक ज्ञान व उद्योग की जरूरतों के बीच अंतर को कम करने के लिए यूनिवर्सिटी के साथ मिलकर काम करेगा। ज्ञापन पर कुलसचिव डॉ.मेहा शर्मा IMT इंडस्ट्री असोसिएशन के अध्यक्ष प्रमोद राणा ने हस्ताक्षर किए। यहां डॉ.मनीषा गर्ग, डॉ.राजीव साहा, प्रफेसर अतुल मिश्रा, डॉ.रश्मि पोपली व असोसिएशन की महासचिव रश्मि सिंह उपस्थित थीं। कुलपति प्रफेसर सुशील कुमार तोमर ने कहा कि इसे अच्छी पहल बताया।

NEWS CLIPPING:10.10.2023

AAJ SAMAJ

आईएमटी इंडस्ट्रीज एसो. फरीदाबाद के साथ किया समझौता

फरीदाबाद। अकादमिक एवं औद्योगिक संबंधों को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद ने आईएमटी इंडस्ट्रीज एसोसिएशन फरीदाबाद (आईआईएएफ) के साथ समझौता किया है। इस साझेदारी का उद्देश्य औद्योगिक चुनौतियों के लिए नवीन तकनीकी समाधान प्रदान करने के साथ-साथ सहयोगात्मक कंसल्टेंसी और शोध परियोजनाओं को सुविधाजनक बनाना है। समझौता ज्ञापन पर जेसी बोस विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. मेहा शर्मा और आईआईएएफ के अध्यक्ष प्रमोद राणा ने हस्ताक्षर किए।

इस अवसर पर डॉ. मनीषा गर्ग, निदेशक (आरएंडडी), उपनिदेशक डॉ. राजीव साहा, कंप्यूटर इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष प्रो. अतुल मिश्रा, सहभागिता एवं उद्योग संपर्क मामलों की प्रभारी डॉ. रश्मि पोपली और आईआईएएफ की महासचिव रश्मी सिंह उपस्थित थीं। कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर ने कहा कि तेजी से बदल रही प्रौद्योगिकी के युग में यह जरूरी है कि छात्रों को उद्योग की जरूरतों के अनुरूप व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हो। उन्होंने समझौते के क्रियान्वयन पर बल देते हुए कहा कि इस साझेदारी से छात्रों तथा संकाय सदस्यों को औद्योगिक चुनौतियों पर काम करने का अवसर मिलेगा।